भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती वर्ष पर ओड़िशा में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया

15 नवंबर, 2024 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस मनाने के लिए जमुई, बिहार का दौरा किया और भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने करीब ₹6,640 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और आदिवासी समुदायों का उत्थान करना था।

ओड़िशा में यह कार्यक्रम जनता मैदान, भुवनेश्वर में हुआ, जहां माननीय मुख्यमंत्री ने कई परिवर्तनकारी परियोजनाओं की आधारशिला रखी। माननीय मंत्रियों एवं विधायकों ने जिला स्तरीय समारोहों में भाग लिया।

एनआईसी राज्य केंद्र के अधिकारियों ने जिला सूचना विज्ञान अधिकारियों के साथ मिलकर सुचारू वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए जिला प्रशासन को तकनीकी सहायता प्रदान की। यह एनआईसी, भुवनेश्वर और नई दिल्ली के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग डिवीजन की निरंतर निगरानी और मार्गदर्शन के तहत आयोजित किया गया था।

सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम 2024

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) 2024 के तहत एनकेएन(NKN) कॉन्फ्रेंस हॉल में एनआईसी ओड़िशा राज्य केंद्र और जिला केंद्रों के अधिकारियों के लिए 2 नवंबर, 2024 को आधे दिन का सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सतर्कता निदेशालय, कटक से सुश्री लोगानयागी दिव्या वी, आईपीएस, एसपी (मुख्यालय) ने अतिथि वक्ता के रूप में इस कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। उनके कर कमल से एनआईसी, ओड़िशा का मासिक समाचार पत्र 'द एर्सेंडर' का नवंबर अंक विमोचन किया गया।

अपने संबोधन में उन्होंने सार्वजनिक प्रशासन में सतर्कता, पारदर्शिता, अखंडता और जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण पक्षों पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को अपने संबंधित क्षेत्रों में पारदर्शिता और अखंडता की संस्कृति को बढ़ावा देने में अपनी जिम्मेदारियों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने में नागरिकों की सक्रिय भूमिका पर भी जोर दिया, और सभी से भ्रष्टाचार से निपटने और सार्वजनिक जीवन में नैतिक मानकों को बनाए रखने में योगदान देने का आग्रह किया। उनकी प्रेरक वार्ता एक शक्तिशाली आह्वान के रूप में कार्य किया, एक पारदर्शी, नैतिक और जवाबदेह शासन प्रणाली के निर्माण में लोक सेवकों और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी को मजबूत किया।

सर्विस प्लस के तहत हबीसयाली आवास प्रणाली

18 सितंबर, 2024 को माननीय उप मुख्यमंत्री श्रीमती पार्वती परिडा ने 18 सितंबर, 2024 को कार्तिक माह के पहले दिन पुरी में हबिसयाली कार्यक्रम का उद्घाटन किया। राज्य सरकार ने हबीस्याली माताओं के लिए विशेष प्रावधान किया है, जिनमें आवास, महाप्रसाद और निर्दिष्ट स्थानों पर दैनिक अनुष्ठानों का संचालन शामिल है।

प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, सर्विस प्लस प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली शुरू की गई थी। जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित मानदंडों के आधार पर आवेदनों पर कार्रवाई की गई। योग्य आवेदकों को आवास पर्चियाँ जारी की गई, जबकि अपात्रों को अस्वीकृति पर्चियाँ मिली। आवेदकों को उनके आवेदन की स्थिति, आवंटित आवास केंद्र और रिपोर्टिंग की तारीख और समय के बारे में एसएमएस के माध्यम से भी सूचित किया गया था।

3,100 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए। दस्तावेजों की गहन जांच के बाद, 2,500 आवेदकों को व्रत के लिए नामित चार सुविधाओं में आवास के लिए मंजूरी दे दी गई। यदि स्वीकृत हबीसयालि उपस्थित नहीं हो पाए, तो सुविधाओं का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करते हुए, प्रतीक्षा सूची से समान संख्या में लोगों को समायोजित किया गया। पूरी प्रक्रिया कम समय सीमा में कुशलतापूर्वक पूरी की गई। जिला प्रशासन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अनुकरणीय प्रयासों के लिए एनआईसी टीम की सराहना की।

श्री सिद्धार्थ शंकर स्वाई, आई. ए. एस., कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट

यह सर्विस प्लस प्लेटफॉर्म के तहत ऑनलाइन वेब एप्लिकेशन हबीस्याली एकोमोडेशन सिस्टम के विकास और कार्यान्वयन में एनआईसी टीम के उल्लेखनीय योगदान के लिए मैं सराहना व्यक्त करता हूँ।

यह इंटरफ़ेस उपयोगकर्ता के अनुकूल, कुशल और सुचारू अनुप्रयोग प्रवाह के लिए पर्याप्त मजबूत है। इस एप्लिकेशन का उपयोग करके मेरी टीम ने निर्धारित समय में आवेदन डेटा को बहुत आसानी से संसाधित किया और सभी आवेदकों को एसएमएस और पावती पर्ची के माध्यम से उनकी स्थिति की जानकारी दी गई।

मैं एनआईसी के प्रत्येक टीम सदस्य को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

भारत सरकार की ईमेल नीति, 2024

भारत का राजपत्र सीजी-डीएल-ई-30102024-258369
दिनांक 29 अक्टूबर 2024 असाधारण।
MeitYF.No: 1(3)/2024-EG-II की अधिसूचना।
दिनांक 25 अक्टूबर 2024।

नया क्या है?

मुझे स्कैन करें

SATHI
SEED AUTHENTICATION, TRACEABILITY AND HOLISTIC INVENTORY

वीडियो - जहां प्रत्येक बीज अपनी कहानी कहता है...
अक्टूबर-2024 तक उपलब्धियों की समयरेखा

माननीय प्रधानमंत्री ने देश भर में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए रोजगार मेले में 51,000 नियुक्ति पत्र वितरित किये। ओड़िशा में, आईएमएमटी में वीसी के माध्यम से नए कर्मचारी शामिल हुए जो भारत सरकार के साथ विभिन्न मंत्रालयों में काम करेंगे।

ओड़िशा ने पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देते हुए GePNIC के साथ खरीद में नए प्रतिमान खड़ा किया

GePNIC का कार्यान्वयन 2008 से ओड़िशा में चल रहा है और अब इसे राज्य भर में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, जिससे पर्याप्त संचयी मूल्य के साथ महत्वपूर्ण संख्या में निविदाओं का प्रबंधन किया जाता है। प्रोजेक्ट GePNIC के लिए अग्रणी राज्यों में से एक के रूप में ओड़िशा ने इस पैन-इंडिया एप्लिकेशन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैन्युअल टेंडरिंग से https://tendersodesha.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन प्रणाली में परिवर्तन ने मैन्युअल टेंडर प्रक्रियाओं से पहले जुड़े कई मुद्दों और कदाचारों को प्रभावी ढंग से कम कर दिया है।

हाल ही में, ओड़िशा सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी विभाग के तहत ओड़िशा कंप्यूटर एप्लीकेशन सेंटर (ओसीएसी) ने अपनी खरीद प्रक्रियाओं को राज्य पोर्टल में एकीकृत किया है। संबंधित कार्यशाला के उद्घाटन के दौरान, श्री विशाल कुमार देव, आईएएस, प्रधान सचिव, ई एंड आईटी विभाग, ने एसआईओ, एनआईसी के साथ, परियोजना के प्रारंभिक अध्ययन और विकास चरणों के दौरान एनआईसी ओड़िशा और ओसीएसी के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में अग्नि सुरक्षा, ओड़िशा काजू विकास, परिवहन विभाग, संग्रहालय, ओएसआरटीसी, मृदा संरक्षण और कृषि विभाग सहित विभिन्न विभागों, निगमों और संगठन शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान, श्री निहार रंजन बिस्वाल, वरिष्ठ निदेशक (आईटी), और श्री तपन कुमार बेहरा, संयुक्त निदेशक (आईटी) ने इसकी विशेषताओं और लाभों को प्रदर्शित करते हुए एप्लिकेशन का लाइव प्रदर्शन किया।

ओड़िशा ने पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देते हुए GePNIC के साथ खरीद में नए प्रतिमान खड़ा किया

11 नवंबर, 2024 को भुवनेश्वर में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा आयोजित मानक महोत्सव की मेजबानी करते हुए विश्व मानक दिवस मनाया गया। इस आयोजन में उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने के साथ "बेहतर दुनिया के लिए एक साझा दृष्टिकोण" की वैश्विक थीम को अपनाया गया, जिसमें यह पता लगाया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक स्थायी भविष्य को आकार देने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

श्री नीलाद्रि बिहारी मोहंती, संयुक्त निदेशक (आईटी), एनआईसी, ओड़िशा ने "जिम्मेदार एआई और रेटिंग की भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया। श्री मोहंती ने एआई शासन के दो महत्वपूर्ण पहलुओं के बीच अंतर किया: एआई के माध्यम से शासन करना और एआई को नियंत्रित करना। उन्होंने बताया कि एआई के माध्यम से शासन करने में निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाने, दक्षता में सुधार करने और सामाजिक लाभ पहुंचाने के लिए एआई का उपयोग करना शामिल है। दूसरी ओर, एआई को नियंत्रित करना एआई प्रौद्योगिकियों को विनियमित करने के लिए नैतिक, नैतिक और कानूनी ढांचे बनाने पर केंद्रित है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उनका उपयोग जिम्मेदारी से और अधिक अच्छे के लिए किया जाता है।

उन्होंने एआई विकास को मानवीय मूल्यों के साथ संरक्षित करने के लिए रेटिंग के महत्व पर जोर दिया, नवाचार और सामाजिक प्रभाव को संतुलित करने के लिए इसके विनियमन की वकालत की। AI पर उनकी दूरगामी सोच दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ी, सह-वक्ताओं और उपस्थित लोगों ने भी काफी सराहना की।

एनआईसी पैनोरमा

त्यागने से पहले सम्मान करें - "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का अभिनंदन किया गया

स्वच्छता पखवाड़ा-2024 के तहत अक्टूबर में श्री साई सरस्वती ज्ञान मंदिर स्कूल, बरगड़, भुवनेश्वर में 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के कक्षा 6 से 9 तक के 46 विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह एवं जोश के साथ भाग लिया।

7 नवंबर, 2024 को छात्रों को ट्रॉफी और प्रमाण से सम्मानित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया था। मॉडलों का मूल्यांकन प्रतिभागियों की रचनात्मकता, संसाधनों का उपयोग, कलात्मक संरचना और डिजाइन, पर्यावरण-अनुकूल रेटिंग, उत्पाद की उपयोगिता और समग्र प्रस्तुति के आधार पर किया गया। उन्हें तीन श्रेणियों में जांचा गया - उत्कृष्ट, बहुत अच्छा और अच्छा। सभी प्रतिभागियों को एसआईओ, एनआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों और स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों की उपस्थिति में पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने बच्चों को यह संदेश देने के लिए प्रेरित किया कि 'कुछ भी बेकार नहीं है' और 'बेहतर भविष्य के लिए कचरे को कम करने के लिए इसका का पुन: उपयोग, पुनर्चक्रण करें'।

चित्र कथा

ऐतिहासिक बालीयात्रा 2024, कटक, ओड़िशा में एनआईसी की निदेशक (आई टी) सुश्री इतिश्री नंद और उनके समूह का योग प्रदर्शन